पी एस जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
भारत का अंतर्राष्ट्रीय बैंक

बीसीसी:एमडी एवं सीईओ:109:56 **30 नवंबर, 2017**

प्रिय शेयरधारको,

बैंक के निदेशक मण्डल की ओर से मुझे 30 सितंबर, 2017 को समाप्त छमाही के लिए बैंक के परिचालन संबंधी कार्यनिष्पादन प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है. कार्यनिष्पादन(स्टैंडअलोन परिणाम) की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:-

(सभी आंकडें रू. करोड़ में)

विवरण	तिमाही परिणाम			अर्द्धवार्षिक परिणाम		
	दूसरी तिमाही वित्त वर्ष 18	दूसरी तिमाही वित्त वर्ष 17	परिवर्तन (%) में	पहली छमाही वित्त वर्ष 18	पहली छमाही वित्त वर्ष 17	परिवर्तन (%) में
कुल आय	12,490	12,047	3.68	24,594	23,925	2.80
ब्याज आय	10,753	10,485	2.56	21,306	20,919	1.85
ब्याज खर्च	7,033	7,059	(0.37)	14,181	14,121	0.42
शुद्ध ब्याज आय	**3,720**	**3,426**	**8.58**	**7,125**	**6,798**	**4.81**
अन्य आय	**1,737**	**1,562**	**11.20**	**3,288**	**3,006**	**9.38**
कुल व्यय	9,449	9,356	0.99	18,905	18,564	1.84
परिचालन व्यय	2,416	2,297	5.18	4,724	4,443	6.32
जिसमें से कर्मचारी लागत	1,213	1,169	3.76	2,228	2,277	(2.15)
परिचालन लाभ	**3,042**	**2,690**	**13.09**	**5,690**	**5,360**	**6.16**
एनपीए हेतु प्रावधान	1,847	1,630	13.31	4,004	3,617	10.70
कर के लिए प्रावधान	357	342	4.39	434	584	(25.68)
शुद्ध लाभ	**355**	**552**	**(35.69)**	**559**	**976**	**(42.73)**

परिचालनगत कार्यनिष्पादन

- वित्त वर्ष 18 की पहली छ:माही में अप्रैल-सितंबर, 2017 के दौरान बैंक की **कुल आय** वर्ष-दर-वर्ष 2.80% की वृद्धि के साथ **रु. 24,594 करोड़** रही. **शुद्ध ब्याज आय** वर्ष-दर-वर्ष **4.81%** की वृद्धि के साथ **रु. 7,125 करोड़** रही. **अन्य आय** वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 9.38% की वृद्धि के साथ **रु. 3,288 करोड़** रही .
- अप्रैल-सितंबर, 2017 के दौरान बैंक का **कुल खर्च रु. 18,905 करोड़** रहा. **ब्याज खर्च** पिछले वर्ष के इसी अवधि की तुलना में 0.42% की मामूली वृद्धि के साथ **रु. 14,181 करोड़** रहा. परिचालनगत खर्च 6.32% की नियंत्रित वृद्धि के साथ **रू. 4,724 करोड़** रहा.
- बैंक का 30 सितंबर, 2017 को समाप्त छमाही में **परिचालन लाभ** पिछले वर्ष की इसी अवधि के **रू. 5,360 करोड़** के सापेक्ष **6.16%** की ब्याज एवं शुल्क आय में वृद्धि के साथ **रू. 5,690 करोड़** रहा. बैंक द्वारा एक छमाही में अभी तक दर्ज किया गया यह अधिकतम परिचालन लाभ है.
- आपके बैंक ने एनपीए पर उच्चतर प्रावधान की आवश्यकता के कारण 30 सितंबर, 2016 को समाप्त छमाही में **रू. 976 करोड़** के सापेक्ष 30 सितंबर, 2017 को समाप्त छमाही में **रू. 559 करोड़** का **शुद्ध लाभ** दर्ज किया.
- आपके बैंक का **शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम)** 30 सितंबर 2016 को समाप्त छमाही के दौरान **2.27%** के सापेक्ष 30 सितंबर 2017 को समाप्त छमाही में **2.21%** रहा. सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान, बैंक द्वारा उठाए कदम जैसे निधियों की लागत पर नियंत्रण, क्रेडिट संवृद्धि में सुधार, आस्ति गुणवत्ता प्रबंधन आदि पर ध्यान देने से इसमें सुधार की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है. तदनुसार, एनआईएम पिछले तिमाही की **2.12%** से सुधरकर वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में **2.31%** हो गया. इसी प्रकार **आय लागत अनुपात** (कॉस्ट टू इनकम रेशियो) पिछली तिमाही के **46.57%** से वित्त वर्ष 18 की दूसरी तिमाही में सुधरकर **44.26%** हो गया.
- 30 सितंबर, 2017 को समाप्त छमाही में बैंक का **आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) 0.16%** (वार्षिकीकृत) रहा. छमाही के दौरान, **इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) 3.65%** (वार्षिकीकृत) रहा.

व्यवसाय कार्यनिष्पादन

- आपके बैंक का **शुद्ध वैश्विक ऋण** 30 सितंबर, 2016 के **रू. 3,54,150 करोड़** की तुलना में 30 सितंबर, 2017 को **रू. 3,87,302 करोड़** रहा, इसमें **9.36%** (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि दर्ज़ की गयी. घरेलू शुद्ध अग्रिम में वर्ष-दर- वर्ष **13.81%** की वृद्धि हुई, इस दौरान रिटेल ऋण में **25.49%** की वृद्धि दर्ज की गई वहीं रिटेल ऋण के तहत आवास ऋण में **34.11%** की वृद्धि दर्ज की गई.
- **बैंक की वैश्विक जमाराशियां** 30 सितम्बर, 2016 के **रु. 5,67,531 करोड़** की तुलना में 30 सितम्बर, 2017 को **2.76%** की वृद्धि के साथ **रु. 5,83,212 करोड़** हो गई. घरेलू जमाराशियां सितंबर 30, 2017 को 10.58% की मजबूत वृद्धि के साथ रू. 4,47,593 करोड़ रहीं. अल्प लागत वाली कासा जमाराशियों में वर्ष दर वर्ष 26.71% की वृद्धि दर्ज की गई. कुल घरेलू जमाराशियों में कासा जमाराशियों का प्रतिशत सितंबर 30, 2016 के 34.23% की तुलना में बढ़कर सितंबर 30, 2017 को 39.22% रहा.
- परिणामस्वरूप, बैंक का वैश्विक व्यवसाय 30 सितम्बर, 2016 के **रू. 9,21,681 करोड़** की तुलना में 30 सितम्बर, 2017 को **5.30%** (वर्ष-दर-वर्ष) वृद्धि के साथ **रू. 9,70,514 करोड़** रहा. 30 सितंबर, 2017 को, बैंक के कुल व्यवसाय में **विदेशी परिचालन** ने **24.98%** का योगदान दिया.

आस्ति गुणवत्ता

- **सकल एनपीए अनुपात** 30 सितंबर, 2016 के **11.35%** से घटकर 30 सितंबर, 2017 को **11.16%** हो गया. **शुद्ध एनपीए अनुपात** भी इसी अवधि के **5.46%** से घटकर **5.05%** हो गया.
- संपूर्ण रूप से, **सकल गैर-निष्पादक आस्तियां** 30 सितंबर, 2016 के **रू. 42,949 करोड़** से बढ़कर 30 सितंबर, 2017 को **रू. 46,307 करोड़** हो गई और **शुद्ध गैर-निष्पादक आस्तियां** संपूर्ण रूप से इसी अवधि के दौरान **रू. 19,342 करोड़** से बढ़कर **रू. 19,573 करोड़** हो गईं.
- बैंक का **प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर)** 30 सितंबर, 2016 के **62.95%** की तुलना में सुधरकर 30 सितंबर, 2017 **को 67.18%** हो गया. **टीडब्ल्यूओ** को छोड़ कर **प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर)** इसी अवधि में सुधरकर **54.97%** से **57.73%** हो गया.

पूंजी पर्याप्तता

- बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात **(सीआरएआर)** रेगुलेटरी आवश्यकताओं से अधिक रहते हुए 30 सितंबर 2017 को **11.64%** (बासल III के अंतर्गत) रहा. जबकि **टियर 1 पूंजी** अनुपात **9.61%** रहा तथा कोर टियर-1 (सीईटी-1) **8.39%** रहा.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
भारत का अंतर्राष्ट्रीय बैंक

बैंक की रूपांतरण यात्रा

31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के पत्राचार में , हमने बैंक के "परियोजना नवोदय" के तहत बैंक द्वारा किए गए व्यापक व्यवसाय परिवर्तन यात्रा के बारे में बताया था. इस प्रक्रिया के निम्नलिखित 5 प्रमुख आयाम हैं:

- दबावग्रस्त आस्तियों का प्रबंधन करते हुए "कोर" व्यवसाय इकाइयों (खुदरा, कॉर्पोरेट, एमएसएमई, कृषि और ग्रामीण और अंतर्राष्ट्रीय) का रूपांतरण एवं विकास.
- भविष्य के लिए क्षमता निर्माण (नए उत्पाद जैसे सप्लाई चैन फाइनेंसिंग, नकदी प्रबंधन, डिजिटल, धन संपदा प्रबंधन और गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में केंद्रीय शेयर्ड सर्विस केन्द्र में प्रमुख परिचालन/ प्रक्रियाओं का केंद्रीकरण)
- संगठन का "पोषण" और समर्पित नेतृत्व और प्रतिभा की पहलों के माध्यम से प्रतिभा का "विकास"
- निष्पादन और क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर "सन्निहित बदलाव"
- नए समझौते करना

बैंक ने इन रूपांतरण पहलों के संदर्भ में निरंतर प्रगति की है और इसका प्रभाव व्यवसाय में और साथ ही बेहतर परिचालन कार्यनिष्पादन में भी देखा जा सकता है. कॉर्पोरेट बैंकिंग के क्षेत्र में, बैंक ने स्पष्ट रूप से लक्षित बाजारों की पहचान की है; प्रमुख केंद्रों पर लक्षित खातों के लिए योजनाएं निर्धारित की गई हैं; प्रक्रियाओं को सरल बना दिया गया है ताकि त्वरित निर्णय लिया जा सके और कॉर्पोरेट कार्यालय में क्षेत्र विशेषज्ञों की टीम रखी गई है. इसी तरह खुदरा कारोबार बढ़ाने पर जोर देने हेतु, ग्राहक पृथकीकरण को अंतिम रूप दिया गया है; कस्टमाइज निवेश समाधान की पेशकश कर इसे शुरू किया गया है, जिसके लिए निवेश सलाहकारों का पहला बैच और 125 से अधिक धन संपदा रिलेशनसिप प्रबंधकों को प्रशिक्षित किया गया है; मुंबई और पुणे आदि में जमा खाते खोलने के लिए टैब-बैंकिंग शुरू की गई है. खुदरा आस्ति फ्रेंचाइजी को मजबूत करने के लिए, बैंक ने पांच भौगोलिक क्षेत्रों के लिए बंधक ऋण प्रसंस्करण को केंद्रीकृत करके अपनी प्रक्रियाओं को एक स्थान पर स्थापित किया है; क्रेडिट ब्यूरो स्कोर आधारित मूल्य एवं कमीशन निर्धारण शुरू किया गया और खुदरा ऋणों के लिए एक समर्पित संग्रह केंद्र को चालू किया है. छःमाही के दौरान, बैंक ने पूर्णतया डिजीटलीकृत लेनदेन प्रक्रिया क्षमता के साथ एकीकृत सप्लाई चेन फाइनेंस सॉल्यूशन का भी शुभारंभ किया है. प्रमुख ई-कॉमर्स अमेज़ॅन इंडिया के साथ समझौता करने के बाद बैंक ने ऑनलाइन प्लेटफार्म पर विक्रेताओं को वित्तपोषण शुरू किया है. डिजिटल फ्रंट पर, बैंक ने अनेक डिजिटल शाखाएं और लॉबी खोली हैं. कागज रहित शाखाओं की तरफ बढ़ने के लिए मौजूदा रिकॉर्डों का डिजिटलीकरण बड़े पैमाने पर किया गया है. मौजूदा मोबाइल बैंकिंग ऐप को नया रूप दिया गया है. बैंक के मुख्य कोर बैंकिंग प्लेटफॉर्म को अद्यतन करके फिनैकल 10.x संस्करण में माइग्रेट कर दिया गया है. फिन-टेक के क्षेत्र में, बैंक ने एफएस स्पेक्ट्रम में 20+ साझेदारियां स्थापित की हैं.

बैंक के परिचालन ढ़ांचे को प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण के माध्यम से नए सिरे से परिचालित किया जा रहा और इसे गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में केंद्रीय साझा सेवा केंद्र (एसएससी) में केंद्रीकृत कर दिया गया है. जबकि खुदरा ऋण प्रसंस्करण, देयता खाता खोलने, विदेशी मुद्रा लेनदेन, कॉल सेंटर आदि की कई बड़ी गतिविधियां आंशिक / पूर्ण रूप से माइग्रेट की गई हैं, शेष योजनाओं का माइग्रेशन योजना के अनुरूप किया जा रहा है. यह बैंक के परिचालन की दक्षता और नियंत्रण व्यवस्था को मजबूत करेगा.

जेन-नेक्स्ट क्षमता का निर्माण करने के लिए, भविष्य के लीडरों की एक मजबूत और स्थायी श्रृंखला के निर्माण के उद्देश्य से, बैंक ने स्केल के आधार पर चार नेतृत्व कार्यक्रमों में अधिकारियों के सभी श्रेणियों के लिए "वी-लीड" नामक व्यापक नेतृत्व विकास कार्यक्रम शुरू किया है. सर्वोत्तम तकनीक और डिजिटल टूल्स द्वारा समर्थित "स्पर्श प्लस" परियोजना के तहत बैंक अपनी कार्यनिष्पादन प्रबंधन प्रणाली को मजबूत कर रहा है.

यह कुछ पहलों की एक सूची है, जबकि कई अन्य पहलें कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं. परिवर्तन के बीज का अंकुरण शुरू हो गया है और हम बैंक को आधुनिक और समकालीन बैंक बनाने के लिए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं.

भविष्य की योजनाएं

पिछले कुछ वर्ष भारतीय बैंकों के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं; प्रमुख चुनौतियां एनपीए के स्तर में तीव्र बढ़ोतरी एवं दवाबग्रस्त आस्तियां रहीं जिनके कारण उनकी लाभप्रदता एवं पूंजी पर्याप्तता प्रभावित हुई है इसके अलावा इन आस्तियों के सबंध में धीमी गति से समाधान, मंद निजी निवेश के कारण निवेश की धीमी मांग, ऋण में कम वृद्धि और डिजिटल और फिनटेक इकाइयों से चुनौतियां रहीं हैं. सरकार ने अर्थव्यवस्था और बैंकिंग प्रणाली को पुनर्जीवित करने के लिए कई कदम उठाए हैं. विमुद्रीकरण से बैंकिंग प्रणाली में सुव्यवस्थित वित्तीय बचत जमा में भारी वृद्धि हुई है. जीएसटी का लागू किया जाना स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा कर सुधार है, जिसके फलस्वरूप 1 जुलाई, 2017 से विविध अप्रत्यक्ष कर के जटिल ढांचे में बदलाव आया है. बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता के मुद्दों का समाधान करने के लिए सरकार ने इंसोलवेंसी एंड बैंक्रप्सी कोड (आईबीसी) लागू किया है जिसका लक्ष्य इंसोलवेंसी एवं बैंक्रप्सी के लिए एक कानून बना कर मौजूदा संरचना को समेकित करना है. आरबीआई को, बैंकों के व्यक्तिगत दबावग्रस्त ऋणों में आईबीसी के तहत रिजोल्यूशन की कार्यवाही शुरू करने के लिए, वाणिज्यिक बैंकों को अधिकृत करने का अधिकार दिया गया है. हाल ही में सरकार द्वारा घोषित पुनर्पूंजीकरण कार्यक्रम का लक्ष्य परिसंपत्ति गुणवत्ता के मुद्दे एवं ऋण वृद्धि के लिए आंतरिक पूंजी वृद्धि की असमर्थता के माहौल में पूंजी बाधाओं के मुद्दे का समाधान करना है.

हमने बैंक में संरचनात्मक मुद्दों के समाधान की आवश्यकताओं की प्रारंभिक स्तर पर ही पहचान कर वर्तमान में बैंकिंग उद्योग को प्रभावित करती समस्याओं की पुनरावृत्ति पर रोक लगाने के लिए वर्ष 2016 में ही रूपांतरण प्रक्रिया शुरू की, जिससे आधुनिक एवं समकालीन संपूर्ण सेवा प्रदान करने वाले सार्वभौमिक बैंक बनने में हमारी प्रणाली एवं प्रक्रियाओं का पूरी तरह नवीनीकरण किया जा सके. यद्यपि यह एक लंबी प्रक्रिया है, परंतु इस प्रक्रिया में पूर्व में बताए गए एवं उठाए गए कदमों के शुरूआती परिणाम परिलक्षित होने लगे हैं. बैंक अब अपने चयनित क्षेत्रों में उन्नति के पथ पर आगे बढ़ चुका है और 30 सितंबर, 2017 को समाप्त छमाही में अब तक का सर्वाधिक परिचालन लाभ दर्ज कर परिचालन संबंधी कार्यनिष्पादन में सुधार लाने में सफलता हासिल किया है.

एनसीएलटी में चल रही विभिन्न दबावग्रस्त खातों की कार्यवाही, जो बैंक द्वारा स्वयं आरंभ की गई है और भारतीय रिजर्व बैक द्वारा समर्थित हैं तथा उसके साथ ही भारत सरकार द्वारा पुनर्पूंजीकरण योजना की घोषणा से दबावग्रस्त आस्तियों के अंत तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की पूंजी संबंधी समस्या के निदान का संकेत प्राप्त हुआ है और इससे बाजार में एक आत्मविश्वास पैदा हुआ है. दवाबगस्त परिसंपत्तियों के एवज में उच्च प्रावधान कवरेज के साथ बैंक उभरते माहौल में लाभ उठाने के लिए तैयार है.

उपरोक्त परिदृश्य में, हम आश्वस्त हैं कि बैंक शेयरधारकों के मूल्य को बढ़ाने के उद्देश्य से अपनी सुनियोजित विकास की राह एवं रूपांतरण कार्यक्रम के तहत विभिन्न रणनीतिक पहलों के माध्यम से तथा निर्धारित प्रमुख आयामों पर जोर देते हुए, विकास की राह पर आगे बढ़ेगा और अपने हितधारकों की उम्मीदों से बढ़कर परिणाम देगा.

हम आपके निरंतर सहयोग और सद्भावना की आशा करते हैं.

बैंक के निदेशक मंडल की ओर से, मैं अपने सभी शेयरधारकों को उनके निरंतर विश्वास और हमारे ऊपर भरोसा बनाए रखने के लिए धन्यवाद देता हूं. मैं अपने सभी कर्मचारियों को इस अवधि के दौरान समर्पित कार्य के लिए धन्यवाद देता हूं.

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर, सी-26, जी-ब्लॉक, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई - 400 051, भारत
फोन : 91 22 66985000 * फैक्स : 91 22 26523514
ई-मेल : md.ceo@bankofbaroda.com * वेब : www.bankofbaroda.com

P S Jayakumar
Managing Director & CEO

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank

BCC: MD & CEO: 109: 56 **November 30, 2017**

Dear Shareholders,

On behalf of Board of Directors of the Bank, it is my pleasure to report the operating performance for the half year ended September 30, 2017. A snapshot of the performance (standalone results) is as under:

(All figures in ₹ crore)

Particulars	Quarterly Results			Half-Yearly Results		
	Q2FY18	Q2FY17	% change	H1FY18	H1FY17	% change
Total Income	12,490	12,047	3.68	24,594	23,925	2.80
Interest Income	10,753	10,485	2.56	21,306	20,919	1.85
Interest Expenses	7,033	7,059	(0.37)	14,181	14,121	0.42
Net Interest Income	**3,720**	**3,426**	**8.58**	**7,125**	**6,798**	**4.81**
Other Income	**1,737**	**1,562**	**11.20**	**3,288**	**3,006**	**9.38**
Total Expenses	9,449	9,356	0.99	18,905	18,564	1.84
Operating Expenses	2,416	2,297	5.18	4,724	4,443	6.32
of which, Employee Cost	1,213	1,169	3.76	2,228	2,277	(2.15)
Operating Profit	**3,042**	**2,690**	**13.09**	**5,690**	**5,360**	**6.16**
Provision for NPA	1,847	1,630	13.31	4,004	3,617	10.70
Provision for Tax	357	342	4.39	434	584	(25.68)
Net Profit	**355**	**552**	**(35.69)**	**559**	**976**	**(42.73)**

Operating Performance

- Bank's **Total Income** during April-Sept, 2017 increased by **2.80%** y-o-y and stood at ₹ **24,594 crore** in H1 FY 18. **Net Interest Income** increased by **4.81%** y-o-y and stood at ₹ **7,125 crore**. **Other Income** increased by **9.38%** on y-o-y basis to ₹ **3,288 crore**.
- **Total Expenses** during April-Sept, 2017 stood at ₹ **18,905 crore**. **Interest expenses** were marginally higher by 0.42% at ₹ **14,181 crore** as compared to corresponding period last year. The **operating expenses** were controlled with growth of 6.32% and stood at ₹ **4,724 crore.**
- Bank's **operating profit** stood at ₹ **5,690 crore** for the half-year ended September 30, 2017 as against ₹ **5,360 crore** for the corresponding period of last year registering an increase of **6.16%** driven by growth both in interest and fee income. This is the highest operating profit registered by the Bank till date in a half year.
- Bank recorded **net profit** of ₹ **559 crore** for half-year ended September 30, 2017 as against ₹**976 crore** for the half-year ended September 30, 2016 due to higher provisioning requirement on NPAs.
- Bank's **Net Interest Margin (NIM)** stood at **2.21%** for the half year ended September 30, 2017 as against **2.27%** during half year ended September 30, 2016. During the quarter ended September 30, 2017, it has shown an **improving trend** with the steps taken by Bank like controlling cost of funds, improvement in credit growth, focus on asset quality management etc. Accordingly, **NIM improved to 2.31%** in Q2 FY 18 from **2.12%** during previous quarter. Similarly the **Cost to Income Ratio** also improved to 44.26% in Q2FY18 from 46.57% last quarter.
- **Return on Assets (RoA)** of the Bank was at **0.16%** (annualised) for the half year ended September 30, 2017. During the half year, **Return on Equity (ROE)** was **3.65%** (annualised).

Business Performance

- Bank's **net global credit** stood at ₹ **3,87,302 crore** as on September 30, 2017 as against ₹ **3,54,150 crore** as on September 30, 2016 registering an increase of **9.36%** on y-o-y basis. Domestic net credit registered y-o-y growth of **13.81%** driven by retail loans growth of **25.49%** and within retail loans, home loan growth of **34.11%.**
- Bank's **global deposits** increased by **2.76%** from ₹ **5,67,531 crore** as on September 30, 2016 to ₹ **5,83,212 crore** as on September 30, 2017. Domestic deposits at ₹ 4,47,593 crore had a healthy growth of 10.58 %. Low cost CASA deposits registered a robust growth of 26.71% on y-o-y basis. Percentage of CASA deposits to total domestic deposits as at September 30, 2017 was 39.22% up from 34.23% as at September 30, 2016.
- As a result, **global business** of the Bank increased by **5.30%** (y-o-y) to ₹ **9,70,514 crore** as on September 30, 2017 from ₹ **9,21,681** crore as on September 30, 2016. As on September 30, 2017, Bank's business from **international operations** contributed **24.98%** to its total business.

Asset Quality

- **Gross NPA ratio** of the Bank declined from **11.35%** in September 30, 2016 to **11.16%** as on September 30, 2017. The **net NPA** ratio also declined from **5.46%** to **5.05%** during corresponding period.
- In absolute terms, **gross non-performing assets** increased from ₹ **42,949** crore as on September 30, 2016 to ₹ **46,307** crore as on September 30, 2017 and **net non-performing assets** in absolute terms increased marginally during the corresponding period from ₹ **19,342** crore to ₹ **19,573** crore.
- Bank's **Provision Coverage Ratio (PCR)** improved to **67.18%** as on September 30, 2017 from **62.95%** as on September 30, 2016**. PCR excluding TWO** improved to **57.73%** from **54.97%** during the corresponding period.

Capital Adequacy

- Bank's Capital to Risk-weighted Assets Ratio **(CRAR)** continued to remain above regulatory requirements and stood at **11.64%** (under Basel III) as on September 30, 2017. While Tier- 1 Capital ratio was at **9.61%,** the Core Tier-1 (CET-1) ratio was at **8.39%.**

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank

Transformation Journey of the Bank

In our communication in the Annual Report of the Bank for the year ended 31.03.2017, we had mentioned about the comprehensive business transformation journey undertaken by the Bank under "Project Navoday". The exercise centred on 5 key dimensions viz.

- Transform and grow 'core' business units (retail, corporate, MSME, agri & rural and the international) while managing the stressed assets
- Building the capability for future (new products like supply chain financing, cash management, digital, wealth management and centralisation of core operations/processes at a central shared service center at Gift City, Gandhinagar)
- 'Nurture' the organisation and 'unleash' the talent pool through dedicated leadership and talent initiatives.
- 'Embed change' through focus on execution and capability building
- Building new alliances

Bank has made steady progress on these transformation initiatives and the impact of these could be seen in business as well as improved operating performance. In the corporate banking, Bank has clearly defined target markets; target account plans in place at major centres; reduced the number of layers for faster turnaround time and put in place team of sector specialists at the corporate office. Similarly to impart thrust on growing the retail business, customer segmentation has been finalised; beginning made by offering customised investment solutions for which first batch of investment counsellors and over 125 wealth relationship managers have been on-boarded; tab-banking for opening deposit accounts launched in Mumbai and Pune etc. To strengthen the retail assets franchise, Bank has fixed its processes by centralizing mortgage loan processing for five geographies; introduced credit bureau score based pricing and commissioned a dedicated collection centre for retail loans. During the half year, Bank also launched its integrated supply chain finance solution with fully digitized transaction process capability. After entering into an agreement with leading e-commerce player Amazon India, Bank commenced financing to sellers on the platform. On the digital front, Bank opened number of digital only branches and lobbies. Digitization of existing records has been undertaken on large scale to move towards paperless branches. The existing mobile banking app has been revamped. The Bank's main core banking platform has been migrated to upgraded Finacle 10.x version. In the Fin-tech space, Bank has forged 20+ partnerships across FS spectrum.

The Bank's operating architecture is being revamped through digitisation of processes and centralization of operations at a central shared service centre (SSC) at Gift City, Gandhinagar. While a large number of operational activities like retail loan processing, liability account opening, forex transactions, call centre, etc. have been migrated in part / full, the migration of the remaining activities is progressing as per plan. This will strengthen the efficiency and control environment of Bank's operations.

To build gen-next capability, Bank has implemented a comprehensive leadership development initiative named "WeLead" for all cadre of officers in four leadership programmes depending on the scale, with an objective of building a robust and sustainable pipeline of leaders for the future. The Bank has also commenced strengthening its performance management system as a part of "Sparsh Plus" project aided by best in class technology and digital tools.

The above gives a list of some of the initiatives while a number of other initiatives are under various stages of implementation. The seeds of transformation have begun to germinate and we are marching on our path to make the Bank as modern and contemporary Bank.

Outlook for the Future

Last couple of years have been challenging for Indian banks; the main challenges being steep rise in NPLs and stressed assets impacting profitability and capital adequacy, slow pace of resolution of these assets, subdued private investment and thus weak investment demand, low credit growth and challenges from digital and fintech players. The government has undertaken number of structural measures to revive the economy and the banking system. The demonetization has led to huge fillip to the formal financial savings into the banking system. The implementation of GST is the biggest tax reform undertaken by independent India which has replaced the complex multiple indirect tax structure from July 1, 2017. To address the asset quality issues of the banks, the government enacted Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) which seeks to consolidate the existing framework by creating a single law for insolvency and bankruptcy. RBI has been empowered to mandate commercial banks to initiate resolution proceedings under IBC in their individual stressed loans. The recent recapitalization programme announced by the government attempts to address the issue of capital constraints in the environment of inability of banks to generate organic capital for addressing the asset quality issues and for credit growth.

Realising the need for addressing the structural issues in the Bank at an early stage itself for ensuring that current issues impacting the industry are addressed to avoid their recurrence, we initiated the transformational journey in 2016 itself to comprehensively revamp our systems and processes to build a modern and contemporary full service universal Bank. This is a long journey but the initial impact of the steps taken and detailed earlier is already visible. Bank has now moved to growth path in its chosen areas and has been able to improve its operating performance and posted its highest ever operating profit for the half year ended September 30, 2017.

The resolution proceedings at NCLT in number of stressed accounts, both initiated by banks on their own and mandated by RBI coupled with the recapitalization programme announced by the government have generated confidence in the market players about the visibility of end of stressed asset and capital issues of the public sector banks. With a higher provision coverage against the stressed assets, Bank is well poised to benefit from the emerging environment.

In the above scenario, with Bank moving on its carved out growth trajectory and with various strategic initiatives under the Bank's transformation programme aimed at enhancing shareholder's value by focusing on the key dimensions identified, we are confident that Bank will progress well and surpass the expectations of its stakeholders.

We look forward to your continued support and goodwill.

On behalf of the Board of Directors of the Bank, I thank all our shareholders for their continued trust and confidence in us. I also thank all our employees for their dedicated work throughout the period.

With best compliments,

Yours faithfully,

P. S. Jayakumar
Managing Director & CEO

Baroda Corporate Center, C-26, G-Block Bandra Kurla Complex, Mumbai 400 051. India
Phone : 91 22 66985000 * Fax : 91 22 26523514
E-mail : md.ceo@bankofbaroda.com * Web: www.bankofbaroda.com

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

वित्तीय परिणाम
Q2 - वित्तीय वर्ष : 2017-18

30 सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही/छमाही के लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम

(₹ लाख में)

अनु क्र.	विवरण	स्टैंडअलोन		
		समाप्त तिमाही	समाप्त छमाही	समाप्त तिमाही
		30.09.2017	30.09.2017	30.09.2016
		समीक्षित	समीक्षित	समीक्षित
1.	परिचालनों से कुल आय	12490,39	24594,25	12046,60
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ / (हानि) (कर, अपवादात्मक और / या असाधारण मदों के पूर्व)	712,49	992,55	894,36
3.	अवधि के लिए कर पूर्व शुद्ध लाभ / (हानि) (अपवादात्मक और / या असाधारण मदों के पश्चात्)	712,49	992,55	894,36
4.	अवधि के लिए कर पश्चात् शुद्ध लाभ/ (हानि) (अपवादात्मक और / या असाधारण मदों के पश्चात्)	355,36	558,75	552,12
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (जिसमें अवधि के लिए लाभ / (हानि) (कर पश्चात्) एवं अन्य व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल हैं)	टिप्पणी 2 देखें	टिप्पणी 2 देखें	टिप्पणी 2 देखें
6.	इक्विटी शेयर पूँजी	462,09	462,09	462,09
7.	आरक्षित निधियां (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधियों को छोड़कर) जैसा कि पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन–पत्र में दर्शाया गया है.	-	-	-
8.	आय प्रति शेयर (₹ 2/– प्रत्येक) (असाधारण मदों के पूर्व एवं पश्चात्) – अवार्षिकीकृत बुनियादी एवं न्यून (₹ में)	1.54	2.42	2.39

नोट : 1) उपर्युक्त, सेबी (सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंज को प्रस्तुत तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त रूप है. तिमाही वित्तीय परिणामों का संपूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइटों **www.bseindia.com, www.nseindia.com** तथा बैंक वेबसाइट **www.bankofbaroda.co.in** पर उपलब्ध है. 2) कुल व्यापक आय एवं अन्य व्यापक आय से संबंधित जानकारी नहीं दी गई है, क्योंकि इंड एएस को अभी बैंक के लिए लागू नहीं किया गया है.

स्थान : मुंबई
दिनांक : 14 नवंबर, 2017

पापिया सेनगुप्ता, कार्यपालक निदेशक
अशोक कुमार गर्ग, कार्यपालक निदेशक
मयंक के मेहता, कार्यपालक निदेशक
पी एस जयकुमार, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
रवि वेंकटेसन, अध्यक्ष

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

Financial Results
Q2 - FY: 2017-18

UNAUDITED FINANCIAL RESULTS
FOR THE QUARTER / HALF YEAR ENDED 30TH SEPTEMBER, 2017

(₹ in lacs)

Sr. No.	Particulars	Standalone		
		Quarter ended	Half Year ended	Quarter ended
		30.09.2017	30.09.2017	30.09.2016
		Reviewed	Reviewed	Reviewed
1	Total Income from operations	12490,39	24594,25	12046,60
2	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/ or Extraordinary items)	712,49	992,55	894,36
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/ or extraordinary items)	712,49	992,55	894,36
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/ or extraordinary items)	355,36	558,75	552,12
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	Refer note 2	Refer note 2	Refer note 2
6	Equity Share Capital	462,09	462,09	462,09
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	-	-	-
8	Earning Per Share (of ₹ 2/- each) (before and after extraordinary items) - not annualised Basic & diluted (in ₹)	1.54	2.42	2.39

NOTE: 1) The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results is available on the Stock Exchanges websites **www.bseindia.com**, **www.nseindia.com** and on Bank's website **www.bankofbaroda.co.in**
2) Information relating to Total Comprehensive Income and other comprehensive Income is not furnished as Ind AS is not yet made applicable to the bank.

Place: Mumbai
Date: 14th November 2017

Papia Sengupta Executive Director
Ashok Kumar Garg Executive Director
Mayank K Mehta Executive Director
P S Jayakumar Managing Director & CEO
Ravi Venkatesan Chairman